6

विश्व विख्यात नारी-मोनालिसा

डॉ० अखिलेश शर्मा

मोनालिसा लियोनादरे द विंची की सबसे उत्कृष्ट कृति और दुनिया की सबसे महान पेंटिंग में शुम्मार है। लेकिन, इस कृति को लेकर शुरू से कई तरह के रहस्य बने हुए हैं। जैसे, मोनालिसा पेंटिंग में मुस्करा रही महिला कौन है? वह क्यों मुस्करा रही है? साथ ही, ऐसे कयास भी लगाये जाते रहे हैं कि इस पेंटिंग में द विंची में द विंची ने खुद को ही स्त्री के रूप में पेश किया है।

अब इटली के पुरातत्वविदों को एक कंकाल मिला है और उनका दावा है कि यह उसी महिला का कंकाल है, जो द विंची की पेंटिंग में है। मोनालिसा को लेकर क्या हैं मिथक और हकीकत? नयी खोज का दावा कितना पुख्ता है? मोनालिसा से जुड़े ऐसे ही कई तथ्यों पर केंद्रित.....।

योनादरे द विंची ने हमारे लिए कई अनूठी और उत्कृष्ट कृतियाँ छोड़ी हैं, जिनका अध्ययन हम आज भी करते हैं और उस पर आश्चर्यचकित होते हैं। ऐसी ही एक उत्कृष्ट कृति है, 16वीं सदी का तैल चित्र (ऑयल पेंटिंग) द मोनालिसा। मोनालिसा का इतिहास लम्बे अरसे से आकर्षण का विषय रहा है और इस बात को लेकर काफी विवाद भी रहा है कि इस पेंटिंग में दिख रही महिला कौन है? एकमात्र मोनालिसा की पहचान ही नहीं, इस

पेंटिंग में उसकी मुस्कुराहट भी रहस्य और कौतूहल का विषय रही है। यह लड़की की तसवीर है या किसी लड़के की? वह हंस रही है, सोच रही है या फिर उदास है? जितने जानकार, उतनी कहानियाँ। कुछ का तो मानना रहा कि यह खुद लियोनादरे हैं, जिन्होंने आइना देखकर अपनी ही तस्वीर उकेर दी। उनके मुताबिक, द विंची ने इस तस्वीर में खुद को स्त्री स्वरूप में पेश किया है। लेकिन, इटली के फलोरेंस में हुई खुदाई कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

पुरातत्वविदों को इटली के फलोरेंस शहर में एक खोपड़ी का कंकाल मिला है। ऐसा माना जा रहा है कि यह खोपड़ी उसी महिला की है जो चित्रकार लियोनादरे द विंची की मोनालिसा बनी थी। विंची की यह पेंटिंग इतनी विख्यात है और मोनालिसा की मुस्कान इतनी विस्मयकारी है कि वैज्ञानिक इस रहस्य का पता लगाने की कोशिश काफी समय से कर रहे हैं। इसी कड़ी में मोनालिसा का कंकाल मिलने की खबर ने हलचल मचा दी है।

'मोनालिसा' आखिर कौन थी, उसकी मुस्कान का भ्रम या राज क्या है? यह पक्ष वर्षों से कलाविदों और पुरातत्व विशेषज्ञों की जिज्ञासा व चुनौती का विषय बना हुआ है। अब आधुनिक और परिष्कृत पद्धति द्वारा इसकी मुस्कान का रहस्य उजागर करने की ठानी गई, कब और कैसे इसे सफलता मिलती है। इस पर भी प्रश्न चिन्ह हैं। मोनालिसा की मुस्कान तथा वह थी कौन? इसमें अनेक मतभेद हैं। **'मोनालिसा'** विख्यात इटालियन कलाकार "ल्योनोर्डोदा विन्सी" के एक मित्र" फ्रैन्सेस्कों ज्योकोन्डों जो रेशम का व्यापारी था की पत्नी का व्यक्ति चित्र है इसलिये मोनालिसा को "ला 'ज्योकोन्डों" भी कहा जाता है। इस रहस्य को ईटली के फलोरेन्स शहर में रहने वाले शोधकर्ता "ज्यूलिस **पैलेंटी**" ने सार्वजनिक किया। लगभग पिछले 25 वर्षों से मोनालिसा पर अध्ययन कर रहे पैलेंटी का मानना है कि मोनालिसा की 5 सन्तानें थी जिनमें से 2 कन्यायें नन बन गई तो

Scanned with C

कहीं मोनालिसा को ल्योनार्डो की माँ बताया गया है। वास्तव में मोनालिसा व ल्योनार्डो का चेहरा–मोहरा अच्छे खासे मेल खाते हैं। इसलिए अनेक लोग इस पर विश्वास भी कर लेते हैं कि मोनालिसा दरअसल ल्योनार्डो का ही समलैंगिक स्वरूप था। वर्षों गहन शोध अध्ययन के पश्चात् पैलेंटी के इस शोध को मान्यता मिल गई। पैलेंटी के अनुसार रेशम का व्यापारी फ्रैन्सेस्कों ज्याकोन्डों ल्योनार्डो का मित्र था। और इसी आधार पर मोनालिसा का परिचय ल्योनार्डो से हुआ धीरे–धीरे यह परिचय जान पहचान में और फिर प्यार में बदल गया ल्योनार्डो ने मोनालिसा को उपहार भी दिये। धीरे–धीरे दोनों के बीच लम्बी–लम्बी बाते होने लगी इसी बीच ल्योनार्डो ने मोनालिसा से उसका व्यक्ति चित्र बनाने का आग्रह किया वह मना न कर सकी और सहज तैयार हो गई।

किन्तु इस प्रेम मिलन का फ्रैन्सेस्कों को पता चल गया उसने ल्योनार्डो के पास जाने को मना कर दिया। किन्तु वह जब अपने काम पर चला जाता था तो वह चोरी–छिपे ल्योनार्डो के पास आने जाने लगी ल्योनार्डो इससे भी सहमत नहीं हुआ वह मोनालिसा में मिल गया वह तो न्यूड (निंवस्त्र) चित्र बनाकर ही अपनी दक्षता चाहता था तब एक दिन ल्योनार्डो ने इस प्रस्ताव को मोनालिसा के समक्ष रख ही दिया और कहा कि जब तक वह उसके शरीर को गहराई से अध्ययन नहीं करेगा तो कैनवास पर कैसे उतारेगा और यदि कल्पना से बनाता है, तो यह उसके शरीर के साथ नाइंसाफी होगी। पहले तो वह सकपका गई किन्तु ल्योनार्डो के प्रेम की खातिर मना नहीं कर सकी और एक दिन उसने अपने सारे वस्त्र उतार दिये। निंवस्त्र मोनालिसा के मांसल शरीर को देखकर ल्योनार्डो भौचक्का रह गया। उसने मोनालिसा को प्रत्येक पहलुओं से देखा परखा व अध्ययन किया। मोनालिसा रोज ल्योनार्डो के स्टूडियों में आती और वस्त्र उतारकर स्टूल पर जाकर बैठ जाती थी और ल्योनार्डो अपने काम में व्यस्त हो जाता

था। इसी बीच मोनालिसा के पति को इस बात का पता चल गया। प्रेम तो वह भी मोनालिसा से करता था और उसके शरीर का कायल भी था। वह उसे छोड़ना भी नहीं चाहता था। इसलिए उसने शहर छोड़ने की ठान ली, मोनालिसा ने ऐसा न करने का आग्रह भी किया किन्तु वह नहीं माना, तब एक दिन मोनालिसा ने यह बात ल्योनार्डो को बता दी, यह बात सुनकर ल्योनार्डो पर मानो पहाड़ टूट पड़ा हो उसने भी ऐसा न करने का आग्रह किया किन्तु यह सम्भव न था, उसे मोनालिसा के जाने का इतना गम नहीं था, गम था तो बस इतना कि उसकी कृति अधूरी रह जायेगी, बताते हैं कि बातों–बातों में मोनालिसा को इस बात का अहसास हो गया कि ल्योनार्डो का प्रेम केवल चित्र पूरा होने तक ही है। हकीकत में नहीं और इस झटके को मोनालिसा सहन नहीं कर सकी और अपने पति के साथ खुदगर्ज प्रेमी को छोड़कर चली गई। ल्योनार्डो को बहुत गहरा धक्का लगा उसकी कृति अधूरी रह गई। वह परेशान रहने लगा। क्योंकि इसके लिये वह मोनालिसा जैसा शरीर कहाँ से लाता। परेशान होकर उसने मोनालिसा को वस्त्र पहनानें की योजना बनाई और चित्र पर गाऊन डाल दिया यह कृति ल्योनार्डो की अन्तिम कृति थी इसके बाद ल्योनार्डो ने कोई चित्र नहीं बनाया।

पैलेंटी के वर्षों के गहन शोध अध्ययन को तो मान्यता मिल ही चुकी थी, किन्तु विगत चार शतब्दियों से इतिहासकारों के बीच मोनालिसा की पहचान चर्चा एवम् शोध का विषय बनी हुई थी पेरिस के **"लूअर संग्रहालय"** में प्रदर्शित यह कृति वैज्ञानिकों को खटक रही थी कुछ इतिहासकारों का मत है कि मोनालिसा मुस्कुरा रही है। कुछ का मत है कि वह मुस्कुरा नहीं रही बल्कि ऊपर के होठ की छाया से यह भ्रम पैदा होता है। ल्योनार्डो जब भी यह व्यक्ति चित्र बनाता था तो संगीतकारों से मधुर स्वर लहरी भी सुनता था ताकि वातावरण संगीतमय हो इसी संदर्भ में कुछ

Scanned with